रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 46 ● अंक – 03 से 07 ● कानपुर 1 से 15 अप्रैल 2024 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की

प्रबन्ध कमेटी की बैठक में लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय

प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चल रहे सभी कोर्सों का होगा अपडेशन

- ✓ स्थापना दिवस के पूर्व होगी नई कमेटी घोषित
- ✓ वर्तमान में चल रहे सभी कोर्स होंगे अपडेट
- ✓ कोर्स में है समकक्षता परन्तु समय के साथ चलना है आवश्यक
- ✓ ओ0पी0डी0 सख़्ती से लागू की जायेगी
- ✓ स्वास्थ्य नीति में शामिल हो सकती है इलेक्ट्रो होम्योपैथी
- ✓ नियमितीकरण की राह हो जायेगी आसान

पूरे देश में उत्तर प्रदेश ही एक मात्र ऐसा राज्य है जहाँ पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी सबसे मज़बूत स्थिति के साथ खड़ी है, इस राज्य का एक मात्र विधि सम्मत ढंग से स्थापित इलेक्ट्रो होम्योपैथिक संगठन बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 को पूरे प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा, चिकित्सा, पंजीयन एवं अनुसंधान के लिए प्रदेश सरकार द्वारा आदेश प्राप्त है जिसके आधार पर यह संगठन पूरे प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है, इस संगठन के द्वारा पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य किया जा रहा है।

शासनादेश प्राप्त होने के बाद से ही बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने यह प्रयास प्रारम्भ कर दिये थे कि अन्य मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों की भाँति इस चिकित्सा पद्धति का नियमितीकरण हो एवं इस विधा के चिकित्सकों को भी शासकीय सेवाओं में कार्य करने का अवसर प्राप्त हो, इसके साथ साथ मान्यता के लिए जो आवश्यक तत्व हैं उनकी भी पूर्ति की जाये इसी क्रम में जब शासन से पत्र व्यवहार किया गया तो एक बात उभर कर आयी कि यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता चाहिये तो प्रचलित पाठ्यक्रमों की समीक्षा की जाये साथ–साथ जो आवश्यक विषय हों उनको भी समाहित किया जाये यह जानकारी जैसे ही बोर्ड के संज्ञान में आयी, बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की प्रबन्ध समिति ने इस विषय को गम्भीरता से लिया और त्वरित कार्यवाही प्रारम्भ कर दी।

कोर्स और अवधि पर चर्चा हेतु एक विशेषज्ञ समिति के गठन का प्रस्ताव हुआ, समिति की अनुसंशा के आधार पर वर्तमान में प्रचलित कोर्सों का विश्लेषण करवाया जायेगा कोर्स की अवधि और उसमें समाहित होने वाले विषयों के लिए फिर विषय विशेषज्ञों की राय ली जायेगी, राय के बाद इन कोर्सों की रूपरेखा तैयार करने की जिम्मेदारी तीन अलग–अलग मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों के चिकित्सकों को दी जायेगी, एलोपैथी की तरफ से डा0 के0 सी0 सिंघल (M.B.B.S) आयुर्वेद के क्षेत्र से डा0 ओम शंकर मिश्रा (आयुर्वेदाचार्य) व होम्योपैथी जगत से डा0 राजेन्द्र प्रसाद (B.M.S.) पर विचार किया गया इन तीनों विधा विशेषज्ञों की विशेषज्ञ सलाह आने के बाद कोर्स का पुर्ननिरीक्षण करवाया जायेगा।

इस प्रक्रिया में लगभग तीन महीनों का समय लग सकता है, इसके पश्चात अब नया कोर्स ढांचागत रूप से तैयार हो जायेगा बहुत सम्भव है कि शीघ्र ही इसपर अन्तिम मुहर भी लग जायेगी।

नये सत्र से पूरे प्रदेश में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 से सम्बद्ध इलेक्ट्रो होम्योपैथी के इन्सटीट्यूटों में यह कोर्स लागू कर दिया जायेगा, यह कोर्स लागू होते ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी में मूलभूत परिवर्तन होने की सम्भावना है या दूसरे शब्दों में हम यह स्वीकार कर सकते हैं कि इस कदम से इलेक्ट्रो होम्योपैथी जगत में एक क्रांतिकारी परिवर्तन अवश्य होगा और जिसका प्रभाव शीघ्र ही मात्र उत्तर प्रदेश में ही नहीं अपितु सारे भारत वर्ष में दिखायी देने लगेगा।

यह एक इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए नये युग के सूत्रपात्र जैसा होगा अब बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 धीरे धीरे इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता की दिशा में ले जाना चाहता है और इस बात के लिए प्रयासशील है कि शीघ्र ही वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान हो जायेगा इसीलिए कार्य को ही प्रमुखता दी गयी है कार्य के आधार पर ही किसी भी विधा की उपयोगिता और गुणवत्ता निर्धारित होती है।

बोर्ड से सम्बद्ध सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के शिक्षण संस्थानों को इस बात के लिए निर्देशित किया गया है कि वह अपने विद्यालय से सम्बद्ध एक चिकित्सालय की स्थापना 30 जून, 2024 से पहले अवश्य कर लें, 15 जुलाई , 2024 से 15 सितम्बर, 2024 के मध्य बोर्ड द्वारा सभी विद्यालयों में दर्शायी जा रही संचालित डिस्पेंसरियों का औचक निरीक्षण कर उनका भौतिक सत्यापन किया जायेगा, जिन विद्यालयों में अनियमितता पायी जायेगी उन्हें चेतावनी देकर एक निश्चित समय सीमा के अन्दर व्यवस्थाओं को ठीक करने को कहा जायेगा, यह कड़ा कदम इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए बहुत आवश्यक है, डिस्पेंसरियों में आने वाले रोगियों और उन पर पड़ने वाले प्रभावों के आधार पर ही मान्यता की आधार शिला रखी जा सकती है, कुछ वर्ष पूर्व भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए जो नोटिस जारी की गया था उस नोटिस में सुरक्षा और प्रभाव शब्द प्रयोग में लाये गये हैं इस आधार पर यह स्पष्ट है कि सरकार यह जानना चाहती है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा विधा में जिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी औषधियों का प्रयोग किया जाता है वह कितनी सुरक्षित और कितनी प्रभावी हैं ! इन दोनों प्रश्नों का उत्तर कार्य से ही सम्भव है, जब हमारे चिकित्सक इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा विधा से ही चिकित्सा व्यवसाय करेंगे और रोगी को सुरक्षित लाभ देंगे तो निश्चित तौर पर यह परिणाम इलेक्ट्रो होम्योपैथी की उपयोगिता और प्रभाविकता सिद्ध करने में सहयोग करेंगे।

जो चिकित्सक अन्य विधा में लिप्त हैं वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी का ही प्रयोग करें और प्राप्त परिणामों का रिकार्ड रखें, आने वाले दिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन लेकर आने वाले हैं बहुत सम्भव है कि जो अपनी व्यवस्थाओं को ठीक नहीं करेंगे वह लाभ से वंचित भी रह सकते हैं।

24 अप्रैल, 2025 को जब बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 अपना स्वर्ण जयन्ती वर्ष मनायेगा हमें आशा है कि उस समय तक हमारा हर कोर्स नये कलेवर में होगा एवं प्रत्येक में डिकल इन्सटीट्यूट/इन्सटीट्यूट/स्टडी सेन्टर्स में हम हर कसौटी पर खरे उतरेंगे।

इस सम्बंध में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की प्रबंध कमेटी की वार्षिक सामान्य बैठक में गम्भीर विचार विमर्श के पश्चात व्यापक कार्य योजना बनायी गयी है जिसमें बोर्ड के पिछले 50 वर्षों के कार्य की झलक दिखायी दे, बोर्ड की यह भी इच्छा है कि गत 50 वर्षों में जो भी व्यक्ति, संगठन एवं संस्थान उसके सम्पर्क में रहे हैं उनकी सहभागिता भी हो।

अब होगी वास्तविक परीक्षा

जीवन में बहुत ऐसे अवसर आते हैं जब व्यक्ति को परीक्षा देनी पड़ती है, वैसे परीक्षा तो जीवन के प्रारम्भ से अन्त तक चलती ही रहती है परन्तु वास्तविक परीक्षा वह होती है जब जीवन का सबसे महत्वपूर्ण विषय अर्थात भविष्य के प्रति कोई निर्णय लेना होता है यदि उस परीक्षा में हम सफल हो पाये तो जीवन सार्थक हो जाता है अन्यथः जीवन संघर्ष का नाम हो जाता है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के सन्दर्भ में जब–जब चर्चा चलती है तो कहीं न कहीं परीक्षा शब्द प्रयोग में आ ही जाता है अतीत से लेकर वर्तमान तक परीक्षाओं का जो सिलसिला प्रारम्भ हुआ है वह आज तक अनवरत अबाध गति से चल रहा है परन्तु इतने वर्षों के बाद अब ऐसी निर्णायक घड़ी आने वाली है जो वास्तविक परीक्षा की घड़ी होगी देखा जाये तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी ने समय समय पर अनेक परीक्षायें दी हैं (अर्थात परीक्षा के नाम से अनेक परीक्षणों से गुजरी है) 1948 में जब सरकार से इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिये पत्र व्यवहार किया गया तो जैसा कि होता है पत्र का उत्तर आया ही नहीं अनेक रिमाइन्डर्स के बाद सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता प्रदान करने के लिये शर्त रखी कि पहले कुष्ठ रोगियों को ठीक कर दिखया जाये तब मान्यता के लिये विचार किया जायेगा विदित हो कि कुष्ठ रोग को एक असाध्य रोग माना जाता था सरकार द्वारा पहली परीक्षा स्वर्गीय डा0 नन्द लाल सिंहा ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की सफलता के लिये कुष्ठ रोगियों को ठीक कर दिये, जिसे तत्कालीन सी0एम0ओ0 द्वारा उन्हें परीक्षा में सफल भी बताया गया।

जब सरकार से मान्यता देने पर पुनः स्मरण कराया गया कि हम आपकी परीक्षा में सफल घोषित हो चुके हैं अब आपकी बारी है आप के द्वारा जो वचन दिया गया था कि कुष्ठ रोगियों को ठीक होने के पश्चात मान्यता दी जायेगी।

उस समय की राज्य सरकार अपने वचन से मुकर गयी और कहा गया कि पहले जन मान्यता प्राप्त करें तब सरकार मान्यता पर विचार करेगी।

वह दिन और आज का दिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी परीक्षा ही दे रही है कभी सरकार द्वारा इन्टर डिपार्टमेन्टल कमेटी का गठन किया गया, कभी प्रपोज़ल मांगे गये और भी बहुत कुछ बताया गया कि कुछ दिनों के अन्तराल में ही उस पर कोई निर्णय लिया जायेगा, परन्तु इस निर्णय के लिये आज तक देश का लाखों इलेक्ट्रो होम्योपैथ प्रतीक्षा ही कर रहा है।

अब तो लोग अपने अपने हिसाब से दावे कर रहे हैं हर एक के दावों की पोल खुल जायेगी और धीरे–धीरे जो भ्रान्तियां फैली हुई हैं वह स्वतः शमन हो जायेंगी परन्तु जो लोग यह समझते हैं कि सरकार कोई सकारात्मक निर्णय ले लेगी और इलेक्ट्रो होम्योपैथों को सबकुछ मिल जायेगा तो हमारे साथियों को यह भ्रम अपने दिमाग से निकाल देना चाहिये, कारण कानून बनने से लेकर नियमितीकरण की प्रक्रिया कोई आसान नहीं है।

यदि सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कोई कानून बनाती है तो निश्चित रूप से ऐसी तमाम सारी बाध्यतायें होंगी जिनकी पूर्ति हमें ही करनी होगी और जब बात नियमितीकरण की चलेगी तो ऐसी व्यवस्थाओं का पालन करना होगा, जो व्यवस्थायें सरकार द्वारा बनायी जायेंगी, जितनी आसानी से हम सब अभी काम कर रहे हैं उसमें कुछ न कुछ परिवर्तन अवश्य होंगे, जो भी संगठन या संस्थायें अभी तक अधिकार विहीन हैं उन्हें अपने भविष्य के लिए सचेत होना चाहिये क्योंकि नियमितीकरण का जो रास्ता है वह कानून से होकर जाता है और इसका लाभ उन्हीं संस्थाओं को प्राप्त होगा जो संस्थायें विधि सम्मत ढंग से अपने उद्देश्यों की पूर्ति करते हुए कार्य कर रही हैं।

संयोग से इलेक्ट्रो होम्योपैथी की जितनी भी संस्थायें हैं वह अपना स्वरूप राष्ट्रीय बताती हैं जब कि सच्चाई यह है कि चिकित्सा व्यवसाय में चाहे वह शिक्षा से जुड़ा हो या फिर चिकित्सा उसमें राज्यों को ही प्रमुखतः दी गयी है, उदाहरण स्वरूप मेडिकल काउन्सिल ऑफ इण्डिया का स्वरूप राष्ट्रीय है परन्तु कार्य करने के अधिकार राज्य स्तरीय काउन्सिल को ही प्राप्त हैं जिसे हम स्टेट मेडिकल काउन्सिल के नाम से जानते हैं, मेडिकल काउन्सिल ऑफ इण्डिया राज्यों में होने वाले कार्यों की निगरानी करती है व राज्य के हित में समय–समय पर होने वाले परिवर्तनों पर सुझाव भी देती है, परन्तु हमारे यहां इससे पृथक इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संस्था संचालक इस विषय पर गम्भीर नहीं दिखायी दे रहे हैं और वे इससे इतर कुछ और ही सोचते हैं ऐसी स्थिति में संयम ही हमारी वास्तविक परीक्षा है कारण सरकार जब नियमितीकरण की तलवार चलायेगी तो बहुत सारी संस्थायें उसके दायरे से बाहर होंगी और यह स्थिति अराजकता को जन्म भी दे सकती है, परिस्थितियां कुछ भी हों परिणाम सकारात्मक ही आने हैं।

हम भी किसी से कम नहीं

एक ही क्षेत्र में जब बहुत सारे लोग कार्य करते हैं तब उससे जुड़ा हुआ हर व्यक्ति यह दिखाना चाहता है कि उसका अपना महत्व है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी का क्षेत्र बहुत बड़ा है और पिछले 30–35 वर्षों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का जितना विकास हुआ है उतना विकास शायद गुजरे वर्षों में नहीं हुआ था इन वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में इलेक्ट्रो होम्योपैथी ने बड़ी लम्बी छलांग लगायी है सन् 1980 के पहले तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा और चिकित्सा में वह गति नहीं थी जो आज दिखायी देती है पहले गुरू शिष्य परम्परा के आधार पर शिक्षण व्यवस्था थी और जो छात्र इस विधा का अध्ययन करते थे वह चिकित्सा व्यवसाय कम करते थे अपितु ज्ञानार्जन के लिए ज़्यादा करते थे।

सन्1980 के दशक में अधिकांश वह लोग ही इस चिकित्सा पद्धति का ज्ञान लेते थे जिनके मन में यह भाव रहता था कि चलो घर की छोटी मोटी बीमारियों का घर बैठे इलाज कर लेंगे और कुछ समाज सेवा भी कर लेंगे कुछ लोगों का विचार होता था कि आज इस चिकित्सा पद्धति में आसानी से प्रवेश मिल रहा है जब कभी इसको शासकीय मान्यता मिल जायेगी तब हम भी चिकित्सक बन जायेंगे पर अधिकांश संख्या ऐसे व्यक्तियों की होती थी जो कहीं न कहीं व्यवसाय या नौकरी पेशे में लगे होते थे वह सोचते थे कि जब रिटायर होंगे तब प्रैक्टिस करेंगे, परिवर्तन आया इलेक्ट्रो होम्योपैथी में कुछ ऐसे लोगों का प्रवेश हुआ जिन्होंने इस पद्धति की महत्ता को समझा और उनके मन में यह विचार आया कि क्यों न इस चिकित्सा पद्धति का प्रसार किया जाये।

प्रसार के लिए शिक्षण व्यवस्था का मज़बूत होना बहुत आवश्यक है अस्तु विद्यालयीय शिक्षा व्यवस्था को जन्म दिया गया, लोगों को यह व्यवस्था पसन्द आयी और केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं वरन् सम्पूर्ण भारत में देखते ही देखते विद्यालयीय व्यवस्था प्रारम्भ हो गयी और यह अंशकालीन पाठ्यक्रम लोगों को इतना भाया कि लोगों ने इसे हाथों हाथ लिया जिससे कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विकास होने में ज़्यादा देर नहीं लगी इस बार यह परिवर्तन था कि इस पद्धति में नवजवान बच्चे भी प्रवेश ले रहे थे जो चिकित्सा व्यवसाय में अपना कैरियर बनाना चाहते थे इसका परिणाम यह हुआ कि हजारों की संख्या में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सक चिकित्सा व्यवसाय के क्षेत्र में उतरे जिससे कि समाज को इलेक्ट्रो होम्योपैथी के बारे में जानकारी हुई।

जब लोग ज़्यादा जुड़ते है तब लोगों में अपने अधिकारों के प्रति भी जागरूकता बढ़ती है और यहीं से प्रारम्भ हुआ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आन्दोलन का नया युग, जो लोग इससे जुड़े वे इस प्रयास में रहे कि किसी भी तरह से इस चिकित्सा पद्धति को भी वही स्थान मिले जो अन्य मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों को प्राप्त है, इसके लिए धरने प्रदर्शन आन्दोलन गोष्ठियां सम्मेलन अर्थात जितने भी ऐसे कार्य थे जिससे कि सरकार पर दबाव पड़ता वह किये गये, जनता के बीच पैठ बनाने के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविरों के आयोजन के साथ साथ स्थायी चिकित्सालयों की स्थापना भी की गयी इन सारे कार्यों का प्रभाव यह हुआ कि सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी की बढ़ती लोकप्रियता को स्वीकार कर नही पा रही है इसलिए कई ऐसे शासनादेश भी जारी हुए जो कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का प्रतिरोध करते थे परन्तु जहां चाह वहां राह की कहावत को चरितार्थ करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लोग अपने काम में डटे रहे जब चिकित्सकों की संख्या बढ़ी तो औषधियों की आवश्यकता भी बढ़ी उस समय इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों की विपणन का काम चन्द हाथों में था, चिकित्सकों को आसानी से औषधियां उपलब्ध नहीं होती थीं मांग और पूर्ति में असमानता होने के कारण कुछ लोग इसका अनावश्यक लाभ उठाते थे।

परन्तु जब मांग बढ़ी तो कुछ नई कम्पनियां और नये औषधि निर्माता इस क्षेत्र में कूदे जिन्होंने परम्परिक औषधियों के साथ साथ कुछ पेटेंट आइटम भी बनाने शुरू कर दिये जिसका परिणाम यह हुआ कि औषधियों की गुणवत्ता बढ़ी और सबसे अच्छी बात यह हुई कि चिकित्सकों को औषधियां सुलभ होने लगी, एक समय था जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी के साहित्य की काफी कमी थी जो साहित्य था वह मैटी द्वारा या कुछ विदेशी साहित्यकारों द्वारा सृजन किया गया था कुछ समय पूर्व तक भारतीय साहित्य में मात्र डा0 एन0एल0सिन्हा का नाम ही लिया जाता था, विश्व स्वास्थ्य संगठन तक ने यह पत्र के माध्यम से भारत सरकार को सूचित किया था कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की एक पुस्तिका देखी गयी है, परन्तु सन् 1991 में जब 25 किताबों का एक सेट विश्व स्वास्थ्य संगठन को प्रेषित किया गया तो वह स्तब्ध रह गया, आज इलेक्ट्रो होम्योपैथी का साहित्य काफी समृद्ध है बहुत सारे नये लेखकों की पुस्तकें बाज़ार में हैं चिकित्सकों के पास विकल्प उपलब्ध हैं कि वह अपनी पसंद के अनुसार पुस्तकों का चयन कर सकते हैं, यद्यपि 2003 से 2010 तक के समय में जो शान्ति रही धीरे धीरे उसका प्रभाव अब समाप्त होने लगा है आज कुछ नये लेखकों की पुस्तकें उपलब्ध हैं जो सामायिक और विषयवस्तु पर पहले से अधिक स्पष्ट हैं यह सारी बातें इलेक्ट्रो होम्योपैथी की विकास की दस्तान स्वयं कह रहे हैं, वर्तमान में इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बहुत परिवर्तन आया है चिकित्सक पहले से ज़्यादा अब जागरूक है और रोगी को स्पष्ट रूप से यह बताने में सफल भी हो रहे हैं कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा कितनी प्रभावी और लाभकारी है इन्हीं सब कार्यों को देखते हुए भारत सरकार ने भी अब यह मन बना ही लिया है कि किस भी तरह से इलेक्ट्रो होम्योपैथी का नियमितीकरण कर दिया जाये जिससे कि देश के लाखो इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सकों की दिशा तय हो।

हम सब उस दिन के लिए उत्साहित हैं जब सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा विधा के लिए कोई कानून या किसी ऐसी नीति का निर्धारण करेगी जिससे कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विकास और भी तीव्र गति से हो सके ऐसा नहीं है कि अभी विकास नहीं हो रहा है एक जन मान्यता है कि जिस विधा पर सरकारी मुहर लगी होती है उस पर लोगों का भरोसा अधिक होता है इलेक्ट्रो होम्योपैथी से करोड़ों रोगी ठीक हुए होंगे परन्तु सरकारी मान्यता के अभाव में हमारे चिकित्सकों के इस कार्य का कोई वास्तविक मूल्यांकन नहीं हो सका।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये सरकारी मूल्यांकन नहीं होने का दंश हर चिकित्सक को पीड़ित करता है और साथ साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों की गुणवत्ता और योग्यता पर भी पड़ता है, हमारे चिकित्सक भी यही चाहते हैं कि वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त हो और भारत सरकार इस मामले को शीघ्र से शीघ्र निर्णित कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को वह स्थान प्रदान करे जिसकी वह प्रबल दावेदार है।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

8– लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001

प्रशा0 कार्या0 127/204 "एस" जूही, कानपुर–208014

जनपद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रभारियों की सूची

क्रम	फोटो	नाम	जनपद	पता	मोबाईल
01		EHडा0 गौरव द्विवेदी ID-UP74	उन्नाव	469/2 ब्रन्दावन कालोनी, उन्नाव–209801	9935332052
02		EHडा0 रमेश कुमार द्विवेदी ID-UP61	रायबरेली	छजलापुर,आई0टी0आई0, रायबरेली–229010	9307885280
03		EHडा0 अमित कुमार विश्वकर्मा ID-UP46	लखीमपुर	ओदरहना, महेबागंज, लखीमपुर–261506	7398153468
04		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP37	जौनपुर	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
05		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP29	गाज़ीपुर	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
06		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP18	चन्दौली	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
07		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP75	वराणासी	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
08		EHडा0 विनय कुमार श्रीवास्तव ID-UP49	महाराजगंज	हमीद नगर, नौतनवां, महाराजगंज–273164	9453914181
09		EHडा0 विनय कुमार श्रीवास्तव ID-UP70	सिद्धार्थ नगर	हमीद नगर, नौतनवां, महाराजगंज–273164	9453914181
10		EHडा0 विनय कुमार श्रीवास्तव ID-UP31	गोरखपुर	हमीद नगर, नौतनवां, महाराजगंज–273164	9453914181
11		EHडा0 मुहम्मद इसरार खान ID-UP26	फिरोज़ाबाद	एरांव रोड, सिरसागंज, फिरोजाबाद–283151	9634503421
12		EHडा0 नेम सिंह बघेल ID-UP35	हाथरस	विवेक क्लीनिक,आगरा बाईपास रोड, सादाबाद, हाथरस–281306	8791443887
13		EHडा0 गणेश सिंह ID-UP32	हमीरपुर	सुमेरपुर, सागर रोड, हमीरपुर	9838714509
14		EHडा0 गया प्रसाद ID-UP36	जालौन	सुजानपुर, बरखेरा, जालौन–285203	8874429538
15		EHडा0 बृज किशोर वर्मा ID-UP02	अलीगढ़	गली न0–2, गोविन्द नगर, नौरंगाबाद, अलीगढ़–202001	9639520078
16		EHडा0 वकील अहमद ID-UP25	फतेहपुर	खम्बापुर, फतेहपुर–212601	8115210751
17		EHडा0 अयाज़ अहमद ID-UP52	मऊ	निकट पुराना ग्रामीण बैंकए काज़ी टोला,वलीदपुर, मऊ–276405	9305963908
18		EHडा0 अयाज़ अहमद ID-UP06	आज़मगढ़	निकट पुराना ग्रामीण बैंकए काज़ी टोला,वलीदपुर, मऊ–276405	9305963908
19		EHडा0 अयाज़ अहमद ID-UP09	बलिया	निकट पुराना ग्रामीण बैंकए काज़ी टोला,वलीदपुर, मऊ–276405	9305963908
20		EHडा0 रश्मी पत्नी श्री दीप नारायण ID-UP41	कानपुर देहात	आस्तिक मुनी मंदिर के सामने, कोरियाँ, कानपुर देहात–209206	6394083854
21		EHडा0 मो0 अखलाक ID-UP22	इटावा	128 – कटरा पुर्दल खान, इटावा –206001	7417775346
22		EHडा0 सैयद तुफैलुर रहमान ID-UP23	अयोध्या (फैज़बाद)	सादात , रौनही, अयोध्या (फैज़बाद)–224182	9956081159
23		EHडा0 जीना अर्शद ID-UP50	मैनपुरी	मोहल्ला कर्रास, पोस्ट घिरोर, मैनपुरी–205121	7078111447
24		EHडा0 श्रीमती मौहरश्री ID-UP01	आगरा	विवेक क्लीनिक,बमान रोड, पूठा चौराहा, पोस्ट–बाससौना, आगरा–283126	7500375933

शेष पेज 4 पर

जनपद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रभारियों की सूची — पेज 3 से आगे

25		EHडा0 बाबू खाँ फारुकी ID-UP21	एटा	अलशिफा हर्बल इलेक्ट्रो होम्योपैथिक क्लीनिक, लोहा मण्डी, अकबरपुर हवेली, जलेसर, एटा	9219775696
26		EHडा0 गुलशन बानो ID-UP05	औरैय्या	पुत्री श्री सफनीउल्ला खान, 128 — कटरा पुर्दल खान, इटावा —206001	7417775346
27		EHडा0 राम कुमार सिंह ID-UP17	बुलन्द शहर	खुर्जा, बुलन्द शहर—203131	9411003464
28		EHडा0 सुमित कुमार शर्मा ID-UP54	मेरठ	आई ब्लॉक, गंगा नगर, मेरठ—250001	9760033082
29		EHडा0 साहब सिंह बुन्देला ID-UP38	झांसी	वार्ड नम्बर—1, टहरौली किला, झांसी—284202	9450073220
30		EHडा0 अरुण त्यागी ID-UP33	हापुड़	असोड़ा रोड, हापुड—245101	7983052913
31		EHडा0 पुष्पा सिंह कुशवाहा ID-UP08	बहराइच	152— बशीरगंज, बहराइच—271801	9451758141
32		EHडा0 राज कुमार तेवतिया ID-UP28	गाजियाबाद	बी0—71 श्याम पार्क एक्सटेन्शनए साहिबाआद, गाज़ियाबाद	9412129598
33		EHडा0 राज कुमार तेवतिया ID-UP27	गौतम बुद्ध नगर	बी0—71 श्याम पार्क एक्सटेन्शनए साहिबाआद, गाज़ियाबाद	9412129598
34		EHडा0 मु0 कलीम खान ID-UP16	बदायूँ	वार्ड नम्बर—7 बनिया जंगपुरा, वज़ीरगंज, बदायूँ—273726	7078926140

क्षेत्रीय कार्यालय

कानपुर

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0
127/204 "एस" जूही, कानपुर—208014
सम्बद्ध मण्डल
↓
कानपुर, चित्रकूटधाम, झाँसी, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, प्रयागराज, विन्ध्यांचल एवं वाराणसी

लखनऊ

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0
8— लाल बाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ—226001
सम्बद्ध मण्डल
↓
लखनऊ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, अयोध्या, देवीपाटन, बस्ती, गोरखपुर एवं आज़मगढ़

पाँच दिवसीय निःशुल्क इलेक्ट्रो होम्योपैथिक शिविर का आयोजन

आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट रायबरेली के प्राचार्य डा0 प्रताप नारायण कुशवाहा ने एक विज्ञप्ति में बताया कि उनके इन्सटीटयूट द्वारा पाँच दिवसीय निःशुल्क इलेक्ट्रो होम्योपैथिक शिविर बाबा जयगुरुदेव सतसंग सेनपुर, जनपद फतेहपुर में लगाया गया है, इस शिविर में अनेक जटिल रोगों का इलाज इन्सटीटयूट के ही वरिष्ठ चिकित्सकों की देख—रेख में किया जा रहा है एवं इन्सटीटयूट के जूनियर EH चिकित्सक सहयोग कर रहे हैं, रोगियों को आगे फॉलोअप के लिये O.P.D. में बुलाया गया है, जहाँ पर इनका आगे का इलाज किया जायेगा।

बी0ई0ए0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब,जूही, कानपुर—14 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर— 208014 से प्रकाशित किया।

आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट, रायबरेली द्वारा निःशुल्क इलेक्ट्रो होम्योपैथिक शिविर बाबा जयगुरुदेव सतसंग— सेनपुर, जनपद फतेहपुर में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक — छाया गजट